

आजाद सिपाही

कलम कलम बढ़ाये जा



THE BLACKBOARD

Mirror that reflects future...

PRESENTS

B-SAT

2023



BLACKBOARD SCHOLARSHIP CUM ADMISSION TEST

For Students of Class XIth moving to XIIth

TEST DATE : 15th January 2023 (Sunday)

Wing A - Main Office

2nd Floor, Above TVS Showroom,
Dangra Toli Chowk, Purulia Road, Ranchi

Wing B- NEET & JEE Campus

Opp. Audi Showroom, Old Surya Clinic Building,
Lane 2 , Kumhar Toli, Purulia Road, Ranchi

9631072713, 6200438287

9631072713

theblackboard2018@gmail.com

www.theblackboardranchi.com

theblackboard

The blackboard



संपादकीय

प्रवासी हैं देश का गर्व

प्रधानमंत्री ने देश मोदी ने सोमवार को 17वें प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन का उद्घाटन किया। 2015 से वह सम्मेलन हर दूसरे साल आयोजित होता है, लेकिन साल 2021 में हुआ पिछला सम्मेलन को विड महामारी के प्रभावों के चलते वर्त्तुल थी हुआ था। इस तरह देखा जाये, तो चार साल बाद वह मौका आया है, जब इस सम्मेलन के बहाने 70 देशों से कीरी साढ़े तीन हजार प्रवासी भारतीय यहाँ इकट्ठा हुए हैं। महात्मा गांधी के साउथ अफ्रीका से स्वतंत्रता की तरीक्षण, 9 जनवरी 1915 यानी प्रवासी भारतीय दिवस को केंद्र में रख कर मनवा जानेवाला यह समारोह दुनिया भर में फैले प्रवासी भारतीयों के भारत एवं अपने जुड़वाएं को बढ़ावा देने के लिए अच्छा जरिया बन चुका है। प्रधानमंत्री ने इस मौके पर टीका ही कहा कि विदेश में रह रहा हर भारतीय विदेशी जमीन पर राष्ट्रदूत की भूमिका में है, जो इस देश की विविधताओं की नुमांगण करता है। इसमें दो राय नहीं कि विशाल प्रवासी भारतीय समुदाय दुनिया भर में अपना प्रभाव बढ़ाते हुए भारत की सॉफ्ट पॉवर का सबसे ताकतवर प्रतीक बना हुआ है। जिन देशों में भी ये प्रवासी हैं,

विश्व बैंक की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक साल 2022 में भारत में जमीनी ग्रामीणों की रकम 100 अरब डॉलर को पार करने वाली है। यह किसी नी देश को उसके प्रवासी समुदाय की ओर से भेजी जाने वाली एक रकम से ज्यादा है।

रेमिटेंस के रूप में हर साल अपने देश भेजने वाली रकम के लिहाजे से भी प्रवासी भारतीय समुदाय अवश्य अवश्य है। विश्व बैंक की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक साल 2022 में भारत भेजी गयी रेमिटेंस की रकम 100 अरब डॉलर को पार करने वाली है। यह किसी भी देश को उसके प्रवासी समुदाय की ओर से जाने वाली रकम से ज्यादा होता है, जब हम देखते हैं कि सबसे ज्यादा रेमिटेंस हालिन करने वाले देशों में दूसरे नंबर पर अपने वाले मोरक्कों में यह रकम महज 60 अरब डॉलर और जीसे नंबर पर अपने वाले चीन में 51 अरब डॉलर है। रेमिटेंस के अलावा इनके जरिये देश को निवेश आकर्षित करने में भी यदद मिलती है। इस तरह से देश की इकॉनॉमिक ग्रोथ में अनिवासी भारतीयों और भारतवासियों का अहम रोल रहा है। कई प्रवासी भारतीय देश लौट कर यहाँ रोजगार के मैके बनाने में योगदान देते हैं और उन्होंने यहाँ कंपनियों भी शुरू की हैं। बहरहाल, प्रवासी भारतीय समुदाय अपनी जड़ों से जुड़ा रहे तो न केवल खुद भी फलाना फूलता और अपने अवित्तव को सार्थक देता रहेगा बल्कि भारत की सॉफ्ट पॉवर में भी इजाफा करता रहेगा।

अभिमत आजाद सिपाही

टीटीपी को लेकर अफगानिस्तान की तालिबान सरकार और पाकिस्तान के बीच तनाव काफी बढ़ चुका है। अफगानिस्तान के उप प्रधानमंत्री तालिबानी अहमद यासिर ने टिकटर पर 1971 में भारतीय सेना के सामने पाकिस्तान के आत्मसमर्पण की ऐतिहासिक तस्वीर सांझा करने की जग छेड़ चुका है। उसने बलूचिस्तान, वजौरिस्तान आदि में अपनी समानांतर सरकारें गठित कर इसकी योषणा भी कर दी है।

टीटीपी को लेकर अफगानिस्तान की तालिबान सरकार और पाकिस्तान के बीच तनाव काफी बढ़ चुका है। अफगानिस्तान के उप प्रधानमंत्री तालिबानी अहमद यासिर ने टिकटर पर 1971 में भारतीय सेना के सामने पाकिस्तान के आत्मसमर्पण की ऐतिहासिक तस्वीर सांझा करते हुए लिखा है कि पाकिस्तान ने उन पर हमला किया तो उसे ऐसी ही शर्मनाक स्थिति का सामना करना पड़ेगा।

दरअसल, पाकिस्तान के गृह मंत्री राणा सनातल्लाह ने तालिबान को धमकी दी कि टीटीपी ने उनके देश पर हमले नहीं रोके तो पाकिस्तानी फौज अफगानिस्तान में घुसकर उन आतंकवादियों के ठिकानों को खत्म करेगी।

पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुजो ने भी अफगानिस्तान सरकार को कहा कि टीटीपी पर लगाम लगाये। अमर वे इसमें विफल रहते हैं तो आतंकवादियों के खिलाफ

टीटीपी ने पाकिस्तानी सेना के साथ शाति सधि को पहले से तोड़ा आरंभ कर दिया।

सीधी कार्रवाई की जाएगी।

इसकी प्रतिक्रिया में ही राणा सनातल्लाह ने यह टीटीपी को विदेश को खत्म करेगा।

इस एक उदाहरण से समझा जा सकता है कि पाकिस्तान इस समय टीटीपी के खतरे को लेकर किस

अबधेश कुमार

हम में से शायद कईयों को यह दूर की कौड़ी लगे लेकिन अफगानिस्तान की तरह पाकिस्तान में तालिबानों के वर्चस्व का प्रत्यक्ष खतरा दिखने लगा है। तरबीक-ए-तालिबान पाकिस्तान यानी टीटीपी अफगानिस्तान को केंद्र बनाने पर कब्जा करने की जग छेड़ चुका है। उसने बलूचिस्तान, वजौरिस्तान आदि में अपनी समानांतर सरकारें गठित कर इसकी योषणा भी कर दी है।

टीटीपी को लेकर अफगानिस्तान की तालिबान सरकार और पाकिस्तान के बीच तनाव काफी बढ़ चुका है। अफगानिस्तान के उप प्रधानमंत्री तालिबानी अहमद यासिर ने टिकटर पर 1971 में भारतीय सेना के सामने पाकिस्तान के आत्मसमर्पण की ऐतिहासिक तस्वीर सांझा करते हुए लिखा है कि पाकिस्तान ने उन पर हमला किया तो उसे ऐसी ही शर्मनाक स्थिति का सामना करना पड़ेगा।

दरअसल, पाकिस्तान के गृह मंत्री राणा सनातल्लाह ने तालिबान को धमकी दी कि टीटीपी ने उनके देश पर हमले नहीं रोके तो पाकिस्तानी फौज अफगानिस्तान में घुसकर उन आतंकवादियों के खत्म करेगी।

पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुजो ने भी अफगानिस्तान सरकार को कहा कि टीटीपी पर लगाम लगाये। अमर वे इसमें विफल रहते हैं तो आतंकवादियों के खिलाफ

टीटीपी ने पाकिस्तानी सेना के साथ शाति सधि को पहले से तोड़ा आरंभ कर दिया।

सीधी कार्रवाई की जाएगी।

इसकी प्रतिक्रिया में ही राणा सनातल्लाह ने यह टीटीपी को विदेश को खत्म करेगा।

इस एक उदाहरण से समझा जा सकता है कि पाकिस्तान इस समय टीटीपी के खतरे को लेकर किस

स्थिति से योजर रहा है। दरअसल, जब तालिबान ने अफगानिस्तान पर कब्जा करना शुरू किया तो पाकिस्तान ने हर तरफे से न केवल उसकी मदद की, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर इमरान खान और उनके साथियों ने उनका पूरी तरह बचाव किया।

उनको लगता था कि तालिबान के शासन स्थापित होने के बाद वे पहले को तरह कर दिया गया था। उनको लगता था कि तालिबान के बाद वे घरेले थे ऐसा चाहता था था।

हां, दुर्मिला के लिए अवश्य रिंचिता का विषय है।

अमेरिका के साथ तालिबान ने दोहा में जो समझौता किया था, उसमें संबंधियों का उपयोग कर चीन के लिए वहां काम करने के आधार भी तैयार किया।

आतंकवादियों के खिलाफ

टीटीपी ने पाकिस्तानी सेना के साथ शाति सधि को विदेश को खत्म करेगी।

पाकिस्तानी फौज अफगानिस्तान में घुसकर उन आतंकवादियों के खत्म करेगी।

पाकिस्तानी फौज अफगानिस्तान में घुसकर उन आतंकवादियों के खत्म करेगी।

पाकिस्तानी फौज अफगानिस्तान में घुसकर उन आतंकवादियों के खत्म करेगी।

पाकिस्तानी फौज अफगानिस्तान में घुसकर उन आतंकवादियों के खत्म करेगी।

पाकिस्तानी फौज अफगानिस्तान में घुसकर उन आतंकवादियों के खत्म करेगी।

पाकिस्तानी फौज अफगानिस्तान में घुसकर उन आतंकवादियों के खत्म करेगी।

पाकिस्तानी फौज अफगानिस्तान में घुसकर उन आतंकवादियों के खत्म करेगी।

पाकिस्तानी फौज अफगानिस्तान में घुसकर उन आतंकवादियों के खत्म करेगी।

पाकिस्तानी फौज अफगानिस्तान में घुसकर उन आतंकवादियों के खत्म करेगी।

पाकिस्तानी फौज अफगानिस्तान में घुसकर उन आतंकवादियों के खत्म करेगी।

पाकिस्तानी फौज अफगानिस्तान में घुसकर उन आतंकवादियों के खत्म करेगी।

पाकिस्तानी फौज अफगानिस्तान में घुसकर उन आतंकवादियों के खत्म करेगी।

पाकिस्तानी फौज अफगानिस्तान में घुसकर उन आतंकवादियों के खत्म करेगी।

पाकिस्तानी फौज अफगानिस्तान में घुसकर उन आतंकवादियों के खत्म करेगी।

पाकिस्तानी फौज अफगानिस्तान में घुसकर उन आतंकवादियों के खत्म करेगी।

पाकिस्तानी फौज अफगानिस्तान में घुसकर उन आतंकवादियों के खत्म करेगी।

पाकिस्तानी फौज अफगानिस्तान में घुसकर उन आतंकवादियों के खत्म करेगी।

पाकिस्तानी फौज अफगानिस्तान में घुसकर उन आतंकवादियों के खत्म करेगी।

पाकिस्तानी फौज अफगानिस्तान में घुसकर उन आतंकवादियों के खत्म करेगी।

